## सप्तमः पाठः

# सङ्कल्पः सिद्धिदायकः

Module-1

*(पार्वती शिवं पतिरूपेण अवाञ्छत्। एतदर्थं सा तपस्यां कर्तुम् ऐच्छत्। सा स्वकीयं मनोरथं मात्रे न्यवेदयत्। तत् श्रुत्वा माता मेना चिन्ताकुला अभवत्।)*

मेना – वत्से! मनीषिताः देवताः गृहे एव सन्ति। तपः कठिनं भवति। तव शरीरं सुकोमलं वर्तते। गृहे एव वस। अत्रैव तवाभिलाषः सफलः भविष्यति।

पार्वती – अम्ब! तादृशः अभिलाषः तु तपसा एव पूर्णः भविष्यति। अन्यथा तादृशं पतिं कथं प्राप्स्यामि। अहं तपः एव चरिष्यामि इति मम सङ्कल्पः।

मेना – पुत्रि! त्वमेव मे जीवनाभिलाषः।

पार्वती – सत्यम्। परं मम मनः लक्ष्यं प्राप्तुम् आकुलितं वर्तते। सिद्धिं प्राप्य पुनः तवैव शरणम् आगमिष्यामि। अद्यैव विजयया साकं गौरीशिखरं गच्छामि।

*(ततः पार्वती निष्क्रामति)*

*(पार्वती मनसा वचसा कर्मणा च तपः एव तपति स्म। कदाचिद् रात्रौ स्थण्डिले, कदाचिच्च शिलायां स्वपिति स्म। एकदा विजया अवदत्।)*

विजया – सखि! तपःप्रभावात् हिंस्रपशवोऽपि तव सखायः जाताः। पञ्चाग्नि-व्रतमपि त्वम् अतपः। पुनरपि तव अभिलाषः न पूर्णः अभवत्।

पार्वती – अयि विजये! किं न जानासि? मनस्वी कदापि धैर्यं न परित्यजति। अपि च मनोरथानाम् अगतिः नास्ति।

विजया – त्वं वेदम् अधीतवती। यज्ञं सम्पादितवती। तपःकारणात् जगति तव प्रसिद्धिः। 'अपर्णा' इति नाम्ना अपि त्वं प्रथिता। पुनरपि तपसः फलं नैव दृश्यते।

© NCERT not to be republished

# शब्दार्थाः

| | | | |
|---|---|---|---|
| **पतिरूपेण** | – | पति के रूप में | as husband |
| **एतदर्थम्** (एतद्+अर्थम्) | – | इसके लिये | for this |
| **अवाञ्छत्** | – | चाहती थी | desired |
| **मात्रे** | – | माता से | to mother |
| **चिन्ताकुला** | – | चिन्ता से परेशान | perturbed by anxiety |
| **मनीषिता** | – | चाहा गया, इच्छित | desired |
| **तादृशः** | – | वैसा | like |
| **अभिलाषः** | – | इच्छा | desire |
| **तपसा** | – | तपस्या से | by penance |
| **प्राप्स्यामि** | – | प्राप्त करूँगी | will get |
| **जीवनाभिलाषः** (जीवन+अभिलाषः) | – | जीवन की चाह | life's desire |
| **आकुलितम्** | – | परेशान | desperate |
| **साकम्** | – | साथ | with |
| **निष्क्रामति** | – | निकल जाती है | goes out, exits |
| **मनसा** | – | मन से | by heart/ mind |
| **वचसा** | – | वचन से | by word |
| **कर्मणा** | – | कर्म से | by act |
| **तपति स्म** | – | तपस्या करती थी | performed penance |
| **स्थण्डिले** | – | नंगी भूमि पर | on barren field |

© NCERT not to be republished

| | | | |
|---|---|---|---|
| **शिलायाम्** | – | चट्टान पर | on rock |
| **स्वपिति स्म** | – | सोती थी | slept (took rest) |
| **तपःप्रभावात्** | – | तपस्या के प्रभाव से | because of penance |
| **अतपः** | – | तपस्या की | performed penance |
| **अगतिः** | – | गतिहीनता | absence of movement |
| **अधीतवती** | – | पढ़ ली | studied |
| **सम्पादितवती** | – | सम्पन्न किया | performed |
| **प्रथिता** | – | प्रसिद्ध हो गयी | became famous |
| **आतुरहृदये** | – | हे व्याकुल हृदयवाली | agitated one |
| **नेपथ्ये** | – | परदे के पीछे से | from backstage |
| **आश्रमवटुः** | – | आश्रम का ब्रह्मचारी | pupil from hermitage |
| **झटिति** | – | जल्दी से | quickly |
| **क्रियार्थम्** | – | तप के लिये | for penance |
| **पूजोपकरणम्** (पूजा+उपकरणम्) | – | पूजा की सामग्री | means for worship |
| **सुलभम्** | – | आसानी से प्राप्त | easily available |
| **धर्मसाधनम्** | – | धर्म का साधन | means of religious work |
| **तूष्णीम्** | – | चुप | silent |
| **आकुलीभूय** | – | परेशान होकर | being disturbed |
| **उपहसति** | – | उपहास करता है | makes fun |
| **अन्यथा** | – | अन्य प्रकार से | otherwise |

© NCERT not to be republished

| | | | |
|---|---|---|---|
| **श्मशाने** | – | श्मशान में | in the cremation ground |
| **अङ्गरागः** | – | अङ्गलेप | anointment |
| **परिजनाः** | – | मित्र गण | friends |
| **भूतगणाः** | – | भूतों की टोली | hosts of ghosts |
| **वाचाल** | – | बड़बोला | babbler |
| **अपसर** | – | दूर हट | keep away |
| **यथार्थम्** | – | वास्तविक | true/real |
| **पापभाग्** | – | पापी | sinful |
| **पृष्ठतः** | – | पीछे से | from behind |
| **परित्यज्य** | – | छोड़कर | after leaving |
| **कम्पते** | – | काँपती है | trembles |
| **प्रीतः** | – | प्रसन्न | pleased |
| **सङ्कल्पेन** | – | सङ्कल्प से | with firm desire |
| **अद्यप्रभृति** | – | आज से | from today |
| **क्रीतदासः** | – | खरीदा हुआ नौकर | a slave |
| **विनतानना** | – | नीचे की ओर मुँह की हुई | keeping downward face |
| **विहसति** | – | मुस्कुराती है | smiles |

© NCERT not to be republished

## Module-1

## पाठ 7: संकल्प सिद्धि दायक: Page-35

### हिंदी अनुवाद

(पार्वती शिव को पति के रूप में चाहती थी | इसके लिए वह तपस्या करना चाहती थी| उसने अपनी मनोरथ को माता से निवेदन किया | उसे सुनकर माता मेना चिंता से व्याकुल हो गई |)

**मेना** - बेटी! इच्छित देवता घर में ही रहते हैं | तप कठिन होता है | तुम्हारा शरीर कोमल है| घर में ही रहो यहां ही तुम्हारी इच्छा सफल होगी|

**पार्वती**- माता! वैसी इच्छा तो तपस्या से ही पूरी होगी| अन्यथा वैसा पति कैसे प्राप्त करूंगी | मैं तपस्या ही करूंगी| यह मेरा संकल्प है|

**मेना** - बेटी! तुम ही मेरे जीवन की चाह हो|

**पार्वती** - सत्य है| लेकिन मेरा मन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए व्याकुल है | सिद्धि प्राप्त करके पुनः तुम्हारी शरण में आ जाऊंगी | आज ही विजया के साथ गौरी शिखर पर जाती हूं |

( इसके बाद पार्वती निकल जाती है )

( पार्वती मन, वचन और कर्म से तपस्या कर रही है| वह कभी जमीन पर बिना कुछ बिछाए और कभी पत्थर पर सोती थी| एक बार विजया ने कहा|)

**विजया**- सखी! तप के प्रभाव से हिंसक पशु भी तुम्हारे मित्र बन गए हैं| पंचाग्नि व्रत भी तुमने किया है फिर भी तुम्हारी अभिलाषा पूरी नहीं हुई|

**पार्वती** - अरे विजया! क्या नहीं जानती ? बुद्धिमान कभी भी धैर्य नहीं त्यागते और इच्छाएं कभी पूरी नहीं होती|

**विजया** - तुमने वेदों का अध्ययन किया है| यज्ञ संपन्न किए हैं| तप के कारण संसार में तुम्हारी प्रसिद्धि है| अपर्णा इस नाम से भी तुम प्रसिद्ध हो| तब भी तपस्या का फल दिखाई नहीं देता|

**********